सऊदी अरब-रियाज़
इस्लामी आमन्त्रण एंव निर्देश कार्यालय
रब्वा
1430-2009

islamhouse.com

क्या जिन्नात ग़ैब की बातें जानते हैं?

[*हिन्दी*]

शैख़ मुहम्मद बिन सालेह अल-उसैमीन रहिमहुल्लाह

अनुवादः अताउर्रहमान ज़ियाउल्लाह

All islamhouse.com rights are open

بسم الله الرحمن الرحيم

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

मैं अति मेहरबान और दयालु अल्लाह के नाम से आरम्भ करता हूँ।

हर प्रकार की प्रशंसा सर्व जगत के पालनहार अल्लाह तआला के लिए योग्य है, तथा अल्लाह की कृपा एंव शांति अवतरित हो अन्तिम संदेष्टा मुहम्मद पर, तथा आप के साथियों, आप की संतान और आप के मानने वालों पर।

कुछ लोग यह समझते हैं कि जिन्नात हर चीज़ का ज्ञान रखते हैं और कौन सी चीज़ कहाँ है और कैसे हैं सारी चीज़ो का उन्हें पता रहता है... तो क्या वास्तव में ऐसा ही है? क्या जिन्नात गैब का इल्म जानते (प्रोक्ष-ज्ञान रखते) हैं? इसके विषय में सऊदी अरब के एक महा विद्वान मुहम्मद बिन सालेह बिन उसैमीन रहिमहुल्लाह से पूछा गया यह एक प्रश्न हैं जो पाठकों की सेवा में प्रस्तुत किया जा रहा हैं, आशा है कि यह फत्वा वास्तविक रूप से उक्त मस्अले की जानकारी प्राप्त करने में लाभदायक सिद्ध होगा। (अ.र.)

प्रश्न :

क्या जिन्नात गैब का इल्म जानते (प्रोक्ष-ज्ञान रखते) हैं?

उत्तर :

जिन्नात गैब का इल्म नहीं जानते, अल्लाह तआला के सिवाय आसमानों और ज़मीन में कोई भी गैब नहीं जानता। इसका प्रमाण चाहते हैं तो अल्लाह का यह कथन पढ़ लें :

﴿فَلَمَّا قَضَيْنَا عَلَيْهِ الْمَوْتَ مَا دَلَّهُمْ عَلَى مَوْتِهِ إِلَّا دَابَّةُ الْأَرْضِ تَأْكُلُ مِنْسَأَتَهُ فَلَمَّا خَرَّ تَبَيَّنَتِ الْجِنُّ أَنْ لَوْ كَانُوا يَعْلَمُونَ الْغَيْبَ مَا لَبِثُوا فِي الْعَذَابِ الْمُهِينِ﴾

“फिर जब हम ने उन पर (यानी सुलैमान अलैहिस्सलाम पर) मौत का हुक्म जारी कर दिया तो किसी चीज़ ने उन (जिन्नों) को उनके मरने का पता नहीं दिया मगर उस दीमक ने जो उनकी लाठी को खाती रही। जब वह (सुलैमान) गिर पड़े तब जिन्नों को ज्ञात हुआ कि अगर वह गैब जानते तो इस अपमानजनक अज़ाब (कष्ट) में न फंसे रहते।” (सूरत सबा : 14)

जो व्यक्ति इल्मे गैब का दावा करे वह काफिर है, और जो किसी इल्मे-गैब के दावेदार के दावा को सच्चा ठहराये वह भी काफिर (अधर्मी) है, क्योंकि अल्लाह तआला का फरमान है :

﴿قُلْ لَا يَعْلَمُ مَنْ فِي السَّمَاوَاتِ وَالْأَرْضِ الْغَيْبَ إِلَّا اللَّهُ﴾

''कह दीजिए कि आसमानों और ज़मीन वालों में से अल्लाह के सिवाय कोई भी गैब (की बातें) नहीं जानता।'' (सूरतुन्नम्ल :65)

अतः एकमात्र अल्लाह के अतिरिक्त आसमानों और ज़मीन की गैब की बातों (प्रोक्ष) को कोई नहीं जानता। ये लोग जो दावा करते हैं कि वह भविष्य में होने वाली गैब की खबरों को जानते है तो यह कहानत है, और कहानत के बारे में नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का फरमान है :

''जो आदमी किसी काहिन के पास जाकर उस से गैब की खबरें पूछे, उसकी चालीस दिन तक नमाज़ क़बूल नहीं होगी।'' (सहीह मुस्लिम हदीस नं.:2230)

और अगर वह किसी काहिन की पुष्टि कर दे तो वह काफिर हो जाए गा, क्योंकि जब उसने उसके इल्मे गैब के दावे की पुष्टि कर दी, तो उसने अल्लाह तआला के इस कथन को झुठला दिया :

قُلْ لَا يَعْلَمُ مَنْ فِي السَّمَاوَاتِ وَالْأَرْضِ الْغَيْبَ إِلَّا اللَّهُ﴾

''कह दीजिए कि आसमानों और ज़मीन वालों में से अल्लाह के सिवाय कोई भी गैब (की बातें) नहीं जानता।'' (सरतुन्नम्ल :65)

अनुवादक
(अताउर्रहमान ज़ियाउल्लाह)*
atazia75@gmail.com

المملكة العربية السعودية – الرياض
المكتب التعاوني للدعوة والإرشاد وتوعية الجاليات بالربوة
٢٠٠٩م – ١٤٣٠هـ

islamhouse.com

﴿ هل الجن يعلمون الغيب؟ ﴾

« باللغة الهندية »

فضيلة الشيخ محمد بن صالح العثيمين رحمه الله

ترجمة: عطاء الرحمن ضياء الله

حقوق الطبع والنشر لعموم المسلمين